

(iv) Repairs Lingaraj temple, Bhubaneswar.

SHRIMATI JAYANTI PATNAIK

(Cuttack) : The Lingaraj temple at Bhubaneswar, Orissa, is an ancient monument and is a major tourist attraction in the State. Besides, it is symbolic of the age old custom and tradition of Orissa. The archaeological survey of India has taken over the maintenance of this temple as per an agreement with the Trust Board. Unfortunately, Archaeological Survey has been neglecting the maintenance work under some plea or other. They do not allow the temple authority to carry out any work inside the Complex. The temple is visited by thousands of pilgrims and tourists. The first and foremost requirement, therefore, is the maintenance of cleanliness in the complex. Constant increase in the number of pilgrims and visitors has resulted in corresponding increase in the demand of Mahaprasad. But as there is no dining space in the complex, the pilgrims are compelled to eat the Mahaprasad in any vacant space inside the complex making it dirty and unhygienic. Most of the structures, particularly Bhubaneswari temple, Dakshina Char, Ganesh temple, Bhoga Mandap etc. have not been maintained. The main temple, of Lord Lingaraj and the temple of Goddess Parvati need immediate repair.

In view of the above, I request the Government of India to give permission to the temple management for the construction of Anand Bazar for selling and eating Mahaprasad. The repair works should be started by the new Archaeological Circle, Bhubaneswar, without any further delay.

(v) Providing more amenities to doctors in rural areas.

श्रीमती ऊषा वर्मा (स्त्री) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अन्तर्गत निम्नलिखित विषय की ओर सरकार का ध्यान दिलाती हूँ :

डाक्टरों की शिक्षा पर सरकार लाखों रुपए प्रतिवर्ष खर्च करती है परन्तु डाक्टर बन जाने पर वे सदैव यही प्रयत्न

करते हैं कि उनकी नियुक्ति बड़े-बड़े शहरों में हो। वे लोग बेकार रहना पसन्द करते हैं परन्तु गांवों में जा कर काम करना पसन्द नहीं करते। उसका कारण यह है कि गांवों में उनके रहने के लिए मकानों की सुविधाएं हैं न उनके नीचे काम करने के लिए कम्पाउन्डर और न नसं ही होते हैं। दवाइयों की बात ही क्या है?

यह स्थिति केवल हमारे लिए उपरोक्ता मेरी कांस्टोट्यूएंसी की ही नहीं सारे देश की है। ग्रामों में कोई भी डाक्टर जाना नहीं चाहता और डाक्टरों के अभाव में रोगी असमय पर बिना दवाई के मर जाते हैं। डाक्टर गांवों में जा सकते हैं परन्तु जाते नहीं क्योंकि शहरों की भाँति ग्रामीण क्षेत्रों में डाक्टरों को सुविधाएं उपलब्ध करादी जाएं तो डाक्टर ग्रामीण क्षेत्रों में जाने से नहीं कठराएंगे।

अतः सरकार से निवेदन है कि शहरों की भाँति ग्रामों में भी उनके लिए सुविधाएं दी जाएं तथा हर डाक्टर के लिए ग्रामों में कुछ साल नौकरी करना आवश्यक कर दिया जाए।

(vi) Development of Pilibhit District of Uttar Pradesh.

श्री हरीश कुमार गंगवार (पीलीभीत) :

उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश का पीलीभीत जिला जो मेरा निर्वाचन क्षेत्र भी है, औद्योगिक दृष्टि से सबसे पिछड़ा क्षेत्र है। केन्द्रीय सरकार का कोई उद्योग इस क्षेत्र में नहीं लगा है। पीलीभीत जिला व शाहजहांपुर की पुवायां तहसील प्रदेश के सबसे अधिक गेहूं व धान के उत्पादक क्षेत्र हैं। इसके बाद भी उद्योग-रहित

होने के कारण यह क्षेत्र अत्यन्त निर्धन है और नौजवान बेकार है।

गीलीभीत जिला नैपाल और उसके द्वारा चीन की सीमा से लगा होने के कारण सामरिक दृष्टि से अत्यन्त महत्व का है। रेल की बड़ी लाइन न होने से आवश्यकता के समय सुरक्षा में सम्बन्धित मदद पहुंचाने में भी कठिनाई रहती है। 1962 के चीन के आक्रमण के समय इस जिले में चीनी लोग घुम आए और जानकारी प्राप्त कर लौट भी गए। शरदा नदी पर घनाग घाट के पास पुल बनने के बिना हम सुरक्षा की दृष्टि से निर्बल रहेंगे।

मैं बेन्द्रीय सरकार से मांग करता हूं कि इस जिले को अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित होने के कारण विशेष महत्व देकर विकास के लिए पूरा काम करें तथा उद्योग-धंधे, बड़ी रेल लाइन, घनारा घाट पर पुल व पुवायां में चीनी मिल की स्थापना आदि मांगों को पूरा करें।

(vii) Need to stop shifting of ISTRAC unit of ISRO from Sriharikota to Bangalore.

SHRI PUCHALAPALLI PENCHALAIAH (Nellore) : Under Rule 377, I make the following statement :

The Government of India have very recently decided to shift ISTRAC Unit from Sriharikota Space Centre to Bangalore. As it is well-known, SHAR Centre is our foremost Space Research Centre. Sriharikota was chosen to launch Rockets for carrying on the space research. In the very near future we are proposing to launch satellites also as a part of our ambitious space programme. It is needless to say that Sriharikota was chosen on the basis of its merit and highly ideal location for space research.

But it is quite surprising how the space Administration has taken a

decision to shift ISRO Telemetry Tracking and Command network unit from Sriharikota to Bangalore. Instead of strengthening the Telemetry, Tracking and Commanding network at the launching station, which is an ideal location for the job, the Space administration in its wisdom has decided to shift it to the Bangalore where, already the congestion and construction of many wings are hampering the research work.

In addition, the proposed shifting will put many of our scientists, Engineers and employers in much difficulty. The housing, educational and medical facilities are too inadequate.

Also, it will result in an additional expenditure of Rs. 10 crores. The country cannot afford such a high expenditure in the present tight economic situation.

Therefore, I request the Government of India to immediately stop shifting ISTRAC wing from Sriharikota to Bangalore. Also, I urge that all the units concerned with Space programme be located and strengthened at Sriharikota.

(viii) Need for central intervention in the proposed indefinite strike by workers of H.E.C. Ranchi.

श्री रीत लाल प्रसाद वर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, भारी अभिवृत्तन निगम (एच०ई०सी०) रांची के श्रमिकों ने भारीय मजदूर संघ से सम्बद्ध हटिया श्रमिक संघ एवं अन्य पांच यूनियनों के नेतृत्व में आवश्यकता पर आधारित प्रोन्तति नीति (Need Based Promotion Policy) के बदले शंकरन गमिति के अनुसार डेट लाइन प्रोमोशन पॉलिसी (Data Line Promotion Policy) लागू करने सरकारी घोषणानुसार रांची को बी-2 ग्रेड सिटी घोषित होने के कारण 1-8-82 से ही नगर अनिवृत्त भत्ता (सी०सी०ए०) एवं 15 प्रतिशत मकान भाड़ा भत्ता (एच०आर०ए०) देने तथा